

darshan from February this year. But till date nothing has come out. I don't know the reason for the delay. This Silappathikaram is as important as Mahabharatam and Ramayanam to Tamilians. By encroaching upon the temple of that epic heroine, the Kerala Government is wounding the sentiments of the Tamilians. Since the Tamil Nadu Government pursues a policy of friendliness and believes in the dictum, "love thy neighbour", it has not taken up a confrontationist attitude. But, since the feelings of the people are hurt, there is tension in the area. So, I request the Centre to prevail upon the Kerala Government, to make it see reason and to hand over the possession of Kannagi Temple to Tamil Nadu.

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): I would like to take the sense of the House because there are still five Members in the list today. If you wish, we can go ahead with them today; otherwise, we can take them up tomorrow. Then we can take up the Health Ministry for discussion tomorrow.

**गौतम जी, आपका क्या कहना है ?**

day.

पांच ही मيمबर बचे हैं, अगर आप कहते हैं कि पांच मيمबर्स को आज लेना है तो आज ही लेते हैं...

**एक मामनीय सदस्य:** दो-दो मिनट में हो ज

**उपसभाध्यक्ष (कुमारी सरोज खापर्डे):** आप लोग अगर दो-दो मिनट में खत्म करें तब तो आज हो सकता है।

**श्रीमती मालती शर्मा (उत्तर प्रदेश):** मुझे तो केवल डेढ़ मिनट ही लेना है।

SHRIMATI JAYANTHI NATARA-JAN (Tamil Nadu): Madam, I have no objection. The only problem is that while we can take up the Special Mentions tomorrow also it is actually meaningless to have a half-an-hour discussion on the Health Ministry. It is utterly meaningless.

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Can we take it up today?

SHRIMATI JAYANTHI NATARA-JAN: I don't know, Madam, if the Members want to take it up today.

**श्री संच प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश):** मेरा ख्याल है कि पांच-सात मिनट लवेंगे, आज ही ले लेते हैं।

#### Problems of the Medical Students

**श्रीमती मालती शर्मा (उत्तर प्रदेश):** महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिल्ली के उन विद्यार्थियों की कठिनाईयों की ओर आकृषित करना चाहती हूँ जिन्होंने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रीमेडिकल परीक्षा उत्तीर्ण की थी तथा जिन्हें महानिदेशक, केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा द्वारा दिल्ली के बाहर मेडिकल कॉलेजों में सीट आवंटन की थी। यह छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्री-पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल परीक्षा के लिए अब अयोग्य बताए जा रहे हैं, क्योंकि इन्होंने एम०बी०बी०एस० दिल्ली के बाहर स्थित मेडिकल कॉलेजों से उत्तीर्ण की है, यद्यपि उन्होंने 10+2 की परीक्षा दिल्ली के स्कूलों से ही पास की थी तथा वे दिल्ली के स्थाई निवासी हैं। ये छात्र उन राज्यों की प्री-पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल परीक्षा भी नहीं दे सकते हैं, जहाँ के मेडिकल कॉलेजों से उन्होंने एम०बी०बी०एस० परीक्षा उत्तीर्ण की है, क्योंकि पंजाब, हिमाचल प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, आसाम, उड़ीसा आदि राज्यों में वही छात्र इन परीक्षा में बैठ सकते हैं, जो उन राज्यों के स्थाई निवासी हैं। यह छात्र उनमें नहीं बैठ सकते हैं।

इन परिस्थितियों में मेरा सरकार से अनुरोध है कि इन छात्रों की उपरोक्त कठिनाईयों के निवारण हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय को समुचित निर्देश दें ताकि यह छात्र दिल्ली के जो मूल निवासी हैं, इन्हें न तो अब वह सरकार अपने यहाँ

### [श्रीमती मालती शर्मा]

पी०जी० परीक्षा के लिए बैठने की स्वीकृति दे रही है और न दिल्ली विश्व विद्यालय ही वे रहा है। तो इन छात्रों का भविष्य भ्रंशकारण है। इसलिए मेरा निवेदन है कि सरकार इस ओर तुरन्त ध्यान देकर दिल्ली विश्व विद्यालय को आदेश दे ताकि यह परीक्षार्थी दिल्ली में ही पी०जी० परीक्षा में बैठ सके।

### Need to Complete Indira Gandhi Regional Institute

DR. B. B. DUTTA (Nominated): Madam, way back in 1983 the proposal to set up the Indira Gandhi Regional Institute of Health and Medical Sciences, was approved. In 1985, the Government of Meghalaya acquired 306 acres of Sand worth over two crores of rupees. In 1986, the then Prime Minister Rajiv Gandhi laid the foundation-stone of this Institute. It was supposed to be inaugurated in November, 1989. Accordingly, all the arrangements were made. Three hospitals were affiliated to the Institute and one Malaria Institute was taken over. Sophisticated equipments worth over Rs. one crore were also purchased. Now these are becoming junk. Later on, even a Director was also appointed. He remained there for one year and then came back. I don't know why. Some nurses and junior doctors were also appointed on a temporary basis. Now, nothing is there. In fact, due to elections, this Institute could not be inaugurated in 1989. This project was conceived and sanctioned in view of the insistent demand from the people of the entire North-Eastern Region because for medical facilities either they had to go to Madras or Hyderabad or Delhi. The North-Eastern State Governments have, spent crores of rupees on medical facilities. It was thought that such an Institute would ideally fit in Shillong because besides being a beautiful HSU station 5000 feet above sea level it is a natural health resort. Madam 11 years have already elapsed, but nothing has happened. The public opinion there is very much against this kind of delay and denial.

I would like to request the Government to see that a communication is sent to the Health Ministry and the project starts functioning without any further delay.

### Railway Line from Dholpur to Ganga-per City

श्री मूलचन्द भीणा (राजस्थान): मैडम, मैं सरकार का ध्यान एक ऐसे एरिया की ओर जहां पर शैड्यूल्ड कास्ट और शैड्यूल्ड ट्राइब्स की पौपुलेशन है वहां नई रेलवे लाइन के लिए जो धौलपुर से गंगापुर सिटी को जोड़ती है, की ओर दिलाना चाहता हूँ। धौलपुर से सरमथुरा तक तो छोटी लाइन है। इसका जो परिवर्तन ब्रॉड गेज में किया जा रहा है, इसमें उसका प्रावधान है। उसको बेंच करते हुए सरमथुरा से यदि गंगापुर सिटी तक रेलवे लाइन 60 किलोमीटर और बढ़ा दी जाए तो रेलवे विभाग कोई ही फायदा नहीं है, बल्कि उस एरिया में रहने वाली गरीब जनता को भी रोजगार मिलेगा। यह मैं इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि धौलपुर और किला देवी, ये ऐसे एरियाज हैं जहां पर पत्थर का सबसे ज्यादा घंघा हिंदुस्तान में होता है और जो पत्थर निकाला जाता है, वह आज विदेशों में भी एक्सपोर्ट होता है। इसलिए मेरा यह निवेदन है कि रेलवे विभाग के फायदे और पब्लिक के फायदे को देखते हुए सरकार का ध्यान इस ओर जाए और एक नयी रेल लाइन धौलपुर से गंगापुर-सिटी के लिए बनाई जाए। धन्यवाद।

### उपसभाध्यक्ष (कुमारी लज्जा खारडें)

श्री अनन्त राम जायसवाल। वे तो उपस्थित नहीं हैं। गोविंदराम भीरी जी, आप बोलिए।

### Need to Complete Indira Gandhi Regional Institute.

श्री मोहम्मद राम मोरी (मध्य प्रदेश में उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम इस सदन का ध्यान केन्द्रीय विद्यालयों व जो खेल-कूद के शुल्क में अप्रत्याशित वर्ध हो रही है, उस ओर खींचना चाहता हूँ। महोदय, केन्द्रीय सैनिक और सैनिक